ब्रेल पुस्तकालय और प्रेस संचालन ही लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलिः आचार्य संजय सिंह

कार्यक्रम

- **विश्वविद्यालय परिसर में लुई ब्रेल की प्रतिमा स्थापित**
- **कुलपति आचार्य संजय सिंह ने किया उद्घाटन**

लखनऊ, लोकसत्य। डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में ब्रेललिपि के जन्म दाता लुई ब्रेल के जन्म दिवस समारोह के अवसर पर लुई ब्रेल की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 5 मई को मैंने इस विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया और तभी मैने यह संकल्प लिया कि लुई ब्रेल के जन्म दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा की स्थापना करूंगा। आज इसी कड़ी में विश्वविद्यालय परिसर में लुई ब्रेल की प्रतिमा की स्थापना कर के हम लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धंजलि व्यक्त कर रहे है। सही मायने में ब्रेल वह लिपि है, जो दृष्टिबाधितों के लिए साहित्य और ज्ञान की दुनिया का द्वार खोलती है। समावेशी समाज का निर्माण करना ही हमारे विश्वविद्यालय का संकल्प है। इस समावेशी समाज के निर्माण के लिए आज हमें संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ना होगा। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह के साथ ही कुलसचिव रोहित सिंह, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो वी के सिंह, दृष्टिबाधित विभाग के अध्यक्ष एवं ब्रेल प्रेस के प्रभारी डॉ विजय शंकर शर्मा आदि के साथ बड़ी संख्या में दृष्टि दिव्यांग छात्र छात्राएँ उपस्थित थे, इन सभी की उपस्थिति में ब्रेल प्रेस के सुचारू रूप से संचालन का संकल्प लिया गया।

लोकसत्य मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक व मुद्रक राहुल शर्मा द्वारा द्वितीय तल, 94 दुर्गा
संपादकः राहुल

इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया राय को श्रद्धांजलि अर्पित किया। पर प्रकाश डाला गया। आयोजन के लिए बधाई दी। इससे

ब्रेल पुस्तकालय की स्थापना और ब्रेल प्रेस संचालन का संकल्प ही लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : प्रो. सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के परिसर में ब्रेललिपि के जन्मदाता लुई ब्रेल के जन्म दिवस समारोह के अवसर पर लुई ब्रेल की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि 5 मई 2024 को मैंने इस विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया और तभी मैंने यह संकल्प लिया कि लुई ब्रेल के जन्म दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा की स्थापना करूंगा। आज इसी कड़ी में विश्वविद्यालय परिसर में लुई ब्रेल की प्रतिमा की स्थापना कर के हम लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धंजलि व्यक्त कर रहे है। सही मायने में ब्रेल वह लिपि है, जो दृष्टिबाधितों के लिए साहित्य और ज्ञान की दुनिया का द्वार खोलती है। समावेशी समाज का निर्माण करना ही हमारे विश्वविद्यालय का संकल्प है। इस समावेशी समाज के निर्माण के लिए आज हमें संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ना होगा। मनुष्य का मानव होना उसकी जीत है, महामानव होना चमत्कार है। लुई ब्रेल ने उसी महामानव होने की कड़ी में समुची दुनियां को वह लिपि दिया, जो दृष्टि दिव्यांगजनों के लिए ज्ञान और शक्ति का आधार बन गयी है इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह के साथ ही कुलसचिव रोहित सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अमित कुमार राय, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो वीके सिंह, कुलानुशासक प्रो सीके दीक्षित, निदेशक शोध एवं विकास प्रो अश्विनी दुबे दृष्टिबाधित विभाग के अध्यक्ष एवं ब्रेल प्रेस के प्रभारी डॉ विजय शंकर शर्मा आदि के साथ बड़ी संख्या में दृष्टि दिव्यांग छात्र-छात्रायें उपस्थित थे, इन सभी की उपस्थिति में ब्रेल प्रेस के सुचारू रूप से संचालन का संकल्प लिया गया।

विश्वविद्यालय में ब्रेल प्रेस के संचालन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन को उच्च शिक्षा प्रदान करते हुए रोजगारपरक बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों के पठन-पाठन तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा के सहयोगार्थ शिक्षा व्यवस्था सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से की जा रही है। इसका प्रयोग कई कार्यों के संचालन के लिए किया जा रहा है। इसमें शोध विद्यार्थियों हेतु संबंधित पाठ्य सामग्रियों का ब्रेल रूपांतरण, उच्च शिक्षा के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पाठ्य सामग्रियां एवं प्रश्न पत्रों का ब्रेल रूपांतरण, उच्च शिक्षा के परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित पाठ्य सामग्रियां एवं प्रश्न पत्रों का ब्रेल रूपांतरण, शिक्षा से सम्बन्धित नीतियों का ब्रेल रूपांतरण, पुनर्वास से सम्बन्धित नीतियों का ब्रेल रूपांतरण, दिव्यांग विद्यार्थियों के उपयोगार्थ अन्य आवश्यक सामग्रियों का ब्रेललिपि में रूपांतरण, विश्वविद्यालय की नीतियां, नियमावली, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या इत्यादि का ब्रेललिपि में रूपांतरण किया गया।

शोध छात्रों के लिए ब्रेल लिपि में बनेगी पाठ्य सामग्री

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक के अलावा शोध छात्रों के लिए पाठ्यक्रमों का ब्रेल लिपि में रूपांतरण किया जाएगा। ये घोषणा विवि परिसर में लुई ब्रेल की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। विश्वविद्यालय की टॉकिंग लाईब्रेरी दष्टिबाधित छात्रों के लिए बेहद कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्रों का ब्रेल रूपान्तरण भी किया जाएगा। पुनर्वास और शिक्षा संबंधी नितियों और विवि की नियमावली भी भी ब्रेल लिपि में रूपांतरण होगा। कार्यक्रम में कुलसचिव रोहित सिंह, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो वीके सिंह, दृष्टिबाधित विभाग के अध्यक्ष व ब्रेल प्रेस के प्रभारी डॉ विजय शंकर शर्मा भी मौजूद रहे।

पुनर्वास विवि में लुई ब्रेल की प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ। पुनर्वास विश्वविद्यालय में शनिवार को ब्रेललिपि के जन्मदाता लुई ब्रेल की प्रतिमा का अनावरण कुलपति प्रो. संजय सिंह ने किया। कुलपति ने जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करते समय संकल्प लिया था कि परिसर में लुई ब्रेस की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। लुई ब्रेल स्वयं दृष्टि दिव्यांग थे। ऐसे में उन्होंने दृष्टिबाधितों की पीड़ा को समझते हुए ऐसी लिपि विकसित की, जो उनके लिए मददगार साबित हो। उधर, राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ शाखा की ओर से सर राबर्ट लुई ब्रेल की 216वीं जयंती शनिवार को लालकुआं स्थित कार्यलय में मनाई गई। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार सिंह ने कहा राबर्ट लुई ब्रेल दृष्टिबाधितों के लिए मसीहा थे। इस मौके पर शिवपाल सांवरिया, राम प्रकाश आदि थे। (संवाद)

संक्षिप्त खबरें

शकुन्तला विवि में लुईब्रेल की प्रतिमा स्थापित

लखनऊ। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि परिसर में ब्रेललिपि के जन्मदाता लुईब्रेल के जन्म दिवस समारोह के अवसर पर शनिवार को लुईब्रेल की प्रतिमा का अनावरण विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने किया। विवि के कुलपति ने कहा कि सही मायने में ब्रेल वह लिपि है जो दृष्टिबाधितो के लिए साहित्य और ज्ञान की दूनिया का द्वार खोलती है। उन्होंने कहा कि समावेशी समाज का निर्माण करना ही हमारे विवि का संकल्प है। इस समावेशी समाज के निर्माणके लिए आज हमे संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में विवि के कुलपति के अलावा कुलसचिव रोहित सिंह,परीक्षा नियत्रंक डा. अमित कुमार राय, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, निदेशक शोध एवं विकास प्रो. अश्विनी दुबे, दृष्टिबाधित विभाग के अध्यक्ष एवं ब्रेल प्रेस के प्रभारी डा. विजय शंकर शर्मा समेत तमाम लोग मौजूद थे।

60 प्रतिशत अंकों पर मिलेगी प्रथम श्रेणी, अंक पत्रों में हटा सी प्लस ग्रेड

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत यूजीसी के अनुसार स्नातक और परास्नातक के ग्रेडिंग सिस्टम में संशोधन कर दिया है। अब 6.0 सीजीपीए (कम्युलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज) से या उससे अधिक अथवा 7.5 सीजीपीए से कम वालों को प्रथम श्रेणी में रखा जाएगा। अभी तक यह आंकड़ा न्यूनतम 6.5 सीजीपीए था। इसके अलावा अंक पत्रों में अब सी प्लस ग्रेड के स्थान पर पी ग्रेड लागू किया जाएगा।

हाल ही में हुई विश्वविद्यालय की 17वीं परीक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय ने उसका विस्तृत आदेश वेबसाइट https://dsmru.up.nic.in/ पर जारी कर दिया। विशेष कार्याधिकारी (शैक्षणिक) डा. अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि यूजीसी ने जो ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया था, उसे विश्वविद्यालय ने भी अपने यहां अनुमोदित कर दिया है। अभी तक 5.0 और उससे अधिक, लेकिन 6.5 सीजीपीए से कम पर विद्यार्थी को द्वितीय श्रेणी दी जाती थी। अब 4.5 पर ही द्वितीय श्रेणी मिलेगी। वहीं, तृतीय श्रेणी 4.0 और 5.0 से कम पर दी जाने वाली तृतीय श्रेणी के लिए 4.0 से ज्यादा व 4.5 सीजीपीए से कम पर तय की है। ग्रेड सिस्टम में संशोधन : विश्वविद्यालय के अंक पत्र में अब सी प्लस ग्रेड की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। अभी तक 45 प्रतिशत या उससे अधिक, लेकिन 50 से कम अंक पर सी प्लस दिया जाता था। अब 40 या उससे अधिक, लेकिन 45 से कम अंक पर पी ग्रेड मिलेगा। 45 या उससे अधिक, लेकिन 50 प्रतिशत से कम अंक वालों को सी ग्रेड दिया जाएगा। यह व्यवस्था सत्र 2024-25 में प्रवेशित विद्यार्थियों पर लागू होगी।

प्रश्न पत्रों में शब्द सीमा की बाध्यता खत्म : डा. अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि अब लिखित परीक्षा में 75 अंकों वाले प्रश्न पत्रों में खंड अ, ब और स में अधिकतम शब्द सीमा की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। अब ब और स खंड के प्रश्नों के अंकों के निर्धारण करने और कापियों में प्रश्नों की प्रकृति के अनुसार उचित शब्द सीमा में लिखे उत्तर में अंक दिए जाएंगे।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में परीक्षा के मानक बदले

उत्तर लिखने की शब्द सीमा की गई खत्म, ग्रेड के मानकों में भी किया गया परिवर्तन

कार्यालय संवाददाता,
लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में परीक्षा के मानकों में बदलाव किया गया है। उत्तर लिखने की शब्द सीमा की बाध्यता खत्म कर करने के अलावा ग्रेड के मानक भी बदल दिए गए हैं। अब प्रश्नों की प्रकृति के अनुसार उचित शब्द सीमा में लिखे उत्तर पर अंक दिए जाएंगे।

परीक्षा समिति की बैठक में बदलावों पर निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत लिखित परीक्षा में 75 अंकों वाले प्रश्न-पत्रों में खण्ड-अ, खण्ड-ब और खण्ड-स में अधिकतम शब्द सीमा में संशोधन किया गया है। अब सीजीपीए (संचयी ग्रेडिंग प्वाइंट औसत्र) 7.5 की जगह 6.5 ओवरआल प्रदर्शन पर प्रथम श्रेणी दी जाएगी। संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) के अंतर्गत अब पी से ओ तक ग्रेड पाने वाले को उत्तीर्ण माना जाएगा।

सीजीपीए के अनुसार श्रेणी

7.5 से अधिक –प्रथम श्रेणी, विशेष योग्यता के साथ
6 से 7.5 प्रथम श्रेणी
4.5 से 6 द्वितीय श्रेणी
4 से 4.5 तृतीय श्रेणी

नॉन क्रेडिट कोर्स में पास और फेल के लिए पहले की तरह ही पी और एफ लागू रहेगा। यदि किसी विषय में प्रायोगिक और लिखित दोनों परीक्षाएं हैं तो दोनों में 40 प्रतिशत को पासिंग प्रतिशत माना जाएगा।

छात्र आंतरिक मूल्यांकन में शून्य नंबर पाता है, लेकिन सेमेस्टर परीक्षा में न्यूनतम पासिंग अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे उत्तीर्ण माना जाएगा। कक्षा में बिना सूचना के तीन दिन से अधिक अनुपस्थित पर अभिभावकों सूचना भेजी जाएगी।

अधिकतम 7 ग्रेस मार्क्स मिलेंगे: छात्रों को अधिकतम 7 ग्रेस मार्क्स दिया जा सकता है, यदि कोई छात्र 7 अंक दिए जाने पर उत्तीर्ण हो जाता है। कुल 100 अंकों में 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन से दिए जाएंगे जबकि 75 अंक सेमेस्टर परीक्षा पर आधारित होंगे। इसमें 90 या इससे अधिक अंक पाने वाले को 10 ग्रेड प्वाइंट मिलेंगे। 80 से 90 के बीच 9 प्वाइंट, 70 से 80 अंक पर 8 प्वाइंट, 60 से 70 पर 7 प्वाइंट, 50 से 60 पर 6 प्वाइंट मिलेंगे। 40 से 50 पाने पर औसत 5 प्वाइंट और 40 से नीचे प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण माना जाएगा।

विज्ञान परीक्षा समय में बदलाव

विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। यह परीक्षाएं 15 से 24 जनवरी के बीच आयोजित की जानी थी। अब यह परीक्षाएं 25 जनवरी तक संचालित की जाएंगी। परीक्षार्थी संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ले सकते हैं। हिंदी परास्नातक तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 जनवरी से होंगी।

लुई ब्रेल के जन्म दिवस पर कुलपति ने किया उनकी प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ। मनुष्य का मानव होना उसकी जीत है, महामानव होना चमत्कार है और लुई ब्रेल ने उसी महामानव होने की कड़ी में समुची दुनिया को वह लिपि दी जो आज दृष्टि दिव्यांगजनों के लिए ज्ञान और शक्ति का आधार बन गयी है। उक्त उद्गार शनिवार को डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में ब्रेललिपि के जन्म दाता लुई ब्रेल के जन्म दिवस समारोह के अवसर पर लुई ब्रेल की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कुलपति आचार्य संजय सिंह ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि समावेशी समाज का निर्माण करना ही हमारे विश्वविद्यालय का संकल्प है। इस समावेशी समाज के निर्माण के लिए आज हमें संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर आचार्य सिंह ने कहा कि 5 मई 2024 को विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण जो संकल्प हमने लिया वह आज लुई ब्रेल के जन्म दिवस के अवसर पर पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय परिसर में लुई ब्रेल की प्रतिमा की स्थापना कर के हम लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धंजलि व्यक्त कर रहे है। सही मायने में ब्रेल वह लिपि है, जो दृष्टिबाधितों के लिए साहित्य और ज्ञान की दुनिया का द्वार खोलती है। विदित हो कि विवि में ब्रेल प्रेस के सुचारू संचालन हेतु आधारभूत संरचना तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नियमानुसार सुनिश्चित किया जा रहा है एवं प्रिंटिंग से समस्त सम्बन्धित कार्य यथा-प्रिंटेड पाठ्य सामग्री की टाइपिंग, ब्रेल में रूपान्तरण, रूपान्तरित पाठ्य सामग्री का प्रूफ रीडिंग, सहित बाइंडिग सम्बन्धित कार्य एवं उन कार्यों का संपादन सुनिश्चित किया जा रहा है।